दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

15th ANNIVERSARY

वर्ष 15 | अंक 13 | मूल्य 15 रुपये | 17-23 अगस्त, 2025

लाल किले से पीएम मोदी का "नया संदेश"

युवा, रोजगार और राष्ट्र सुरक्षा

79th
स्वतंत्रता दिवस
एवं
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
पर सभी देश व प्रदेशवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं
अभिषेक पंत
पार्षद, वार्ड न. 60, नगर निगम, देहरादून

वर्ष 15 | अंक 13

दिव्य हिमगिरि

17-23 अगस्त, 2025

संपादक
कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

संवाददाता
पूनम आर्या

विज्ञापन
सुनील सेमवाल

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार: डॉ. रजनीश गौतम
पौडी: रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार: के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर: हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली: मुकेश रावत
रुड़की: श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल: शीतल तिवारी
अल्मोड़ा: संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर: अजय शर्मा
प्रसार: रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित। संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*
*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

अनसुनी चेतावनियां

देश के कई इलाकों में इन दिनों लोगों को भारी बरसात की वजह से त्रासदी झेलनी पड़नी पड़ी है। उत्तराखंड के धराली में भूस्खलन के बाद से लापता 68 लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। धराली के अलावा हिमालय पर्वतीय शृंखला में बसे कई इलाकों में लोगों को मौसम का प्रकोप झेलना पड़ा है। पहाड़ी इलाकों में बादल फटने और मैदानी क्षेत्रों में बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं। मैदानी इलाकों में कभी भीषण गर्मी, तो कभी अचानक हुई बारिश से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। पिछले कुछ दिनों में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और यूपी समेत कई राज्यों में अप्रत्याशित आंधी-बारिश देखी गई। मौसम में इस तरह का बदलाव जलवायु परिवर्तन का नतीजा है, जिससे दुनिया भर में मौसम का चक्र बिगड़ गया है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर वैज्ञानिक अक्सर चेताते रहते हैं, लेकिन विकास की होड़ में प्रकृति का विनाश थम नहीं रहा है। वैज्ञानिकों की चेतावनी अनसुनी कर हिमालय क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं में तेजी के बाद से पहाड़ी इलाकों में त्रासदी बढ़ी है। त्रासदी का यह एक पहलू है कि पहाड़ी इलाकों में राहत एवं बचाव दलों को भेजकर आपदा प्रबंधन कर लिया जाता है। न तो लापता लोगों का पता चल पाता है और न ही कोई ऐसी ठोस योजना आकार ले पाती है, जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि जान-माल का नुकसान नहीं होगा। दूसरा पहलू मैदानी इलाकों का है, जब बारिश की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। सड़कें बंद हो जाती हैं, जलभराव से जीना मुहाल हो जाता है। इस तरह की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। सरकार के पास आपदा मोचन बल जैसी संस्था है, जो आपदाग्रस्त इलाकों में उतारी जाती है। क्या कभी इस सवाल पर विचार हुआ है कि बढ़ती जा रही इस तरह की समस्याओं से निपटने के लिए तैयारियां कहीं कम तो नहीं? तैयारियों में कहां चूक होती है, यह देखना होगा। हमें प्री डिजास्टर मैनेजमेंट पर काम करना होगा। प्राथमिकता इस बात की होनी चाहिए कि हादसे से पहले लोगों की जान कैसे बचे और भूस्खलन, जल-जमाव, खस्ताहाल सड़कें, बदहाल निकासी से जनजीवन को प्रभावित होने से कैसा बचाया जा सके। मौसम ने इस बार जैसा रंग दिखाया है, उसके बाद हमारी नींद खुल जानी चाहिए। हर साल ऐसा लगता है कि गर्मी पिछले बरस से अधिक पड़ रही है। सर्दी का मौसम सिकुड़ता जा रहा है, जबकि बारिश अनियमित हो चली है। गर्मी में पानी के लिए तरसने वाले इलाकों में बारिश के दौरान नागरिक सुविधा के इंतजाम पानी में बह जाते दिखे हैं। ये सारे संकेत डराने वाले हैं और साथ ही चेताने वाले भी। दो स्तरों पर काम करने की जरूरत है: पहला उपाय दीर्घकालिक हो और दूसरा फौरी। तुरंत राहत के रूप में उन लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखा जाना चाहिए, जिन्हें खुले में काम करना पड़ता है, जैसे श्रमिक, यातायात पुलिसकर्मी, रेहड़ी-पटरी दुकानदार आदि। दीर्घकालिक उपाय के तहत कड़े कदम उठाने पड़ेंगे। हमारे महानगरों में नदियों-तालाबों पर तेजी से कब्जा हो रहा है। आर्द्रभूमि पर इमारतें खड़ी की जा रहीं। इसे रोकना होगा। हरियाली बढ़ानी होगी। प्रकृति से छेड़छाड़ को बंद करना होगा। सैंसेटिव जोन में निर्माण कार्य प्रतिबंधित करना होगा। नदियों, नालों, खालों को एक मुहिम चलाकर अतिक्रमण मुक्त कराना होगा। जब तक हम नदियों, नालों और खालों के साथ छेडखानी बंद नहीं करेंगे तब तक प्रकृति ऐसा ही तांडव करती रहेगी।

कुँवर राज अस्थाना

भारत को जानो, भारत को मानो!

हम गुलाम थे तो एक थे, आजादी मिलते ही बंट क्यों गए?

संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

भारत गुलाम था तो हमारे नारे थे 'वंदेमातरम' और 'भारत माता की जय'। आजादी के बहुत सालों बाद नारे गूंजे 'भारत तेरे टुकड़े होंगें'। क्या भारत बदल गया है या उसने आजादी के आंदोलन और उसके मूल्यों से खुद को काट लिया है। आजाद भारत की यह त्रासदी है कि बंटवारे की राजनीति आज भी यहां फल-फूल रही है। आजादी का अमृतकाल मनाते हुए भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो पाए हैं। यह सोचना कितना व्यथित करता है कि जब हम गुलाम थे तो एक थे, आजाद होते ही बंट गए। यह बंटवारा सिर्फ भूगोल का नहीं था, मनों का भी था। इसकी कड़वी यादें आज भी तमाम लोगों के जेहन में ताजा हैं। आजादी का अमृतकाल वह अवसर है कि हम दिलों को जोड़ने, मनों को जोड़ने का काम करें। साथ ही विभाजन करने वाली मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेंकें और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ें। भारत चौदहवीं सदी के ही पुर्तगाली आक्रमण के बाद से ही लगातार आक्रमणों का शिकार रहा है। 16वीं सदी में डच और फिर फ्रेंच, अंग्रेज, ईस्ट इंडिया कंपनी इसे पददलित करते रहे। इस लंबे कालखंड में भारत ने अपने तरीके से इसका प्रतिवाद किया। स्थान-स्थान पर संघर्ष चलते रहे। ये संघर्ष राष्ट्रव्यापी, समाजव्यापी और सर्वव्यापी भी थे। इस समय में आपदाओं, अकाल से भी लोग मरते रहे। गोरों का यह वर्चस्व तोड़ने के लिए हमारे राष्ट्र नायकों ने संकल्प के साथ संघर्ष किया और आजादी दिलाई। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते समय सवाल उठता है कि क्या हमने अपनी लंबी गुलामी से कोई सबक भी सीखा है?

आजादी के आंदोलन में हमारे नायकों की भावनाएं क्या थीं? भारत की अवधारणा क्या है? यह जंग हमने किसलिए और किसके विरूद्ध लड़ी थी? क्या यह सिर्फ सत्ता परिवर्तन का अभियान था? इन सवालों का उत्तर देखें तो हमें पता चलता है कि यह लड़ाई स्वराज की थी, सुराज की थी, स्वदेशी की थी, स्वभाषाओं की थी, स्वावलंबन की थी। यहां 'स्व' बहुत ही खास है। समाज जीवन के हर क्षेत्र, वैचारिकता ही हर सोच पर 'अपना विचार' चले। यह भारत के मन की और उसके सोच की स्थापना की लड़ाई भी थी। महर्षि अरविंद, स्वामी विवेकानंद, महर्षि दयानंद, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, वीर सावरकर हमें उन्हीं जड़ों की याद दिलाते हैं। आज देश को जोड़नेवाली शक्तियों के सामने एक गहरी चुनौती है, वह है देश को बांटने वाले विचारों से मुक्त कराना। भारत की पहचान अलग-अलग तंग दायरों में बांटकर, समाज को कमजोर करने के कुत्सित इरादों को बेनकाब करना। देश के हर मानविंदु पर सवाल उठाकर, नई पहचानें गढ़कर मूर्तिभंजन का काम किया जा रहा है। नए विमर्शों और नई पहचानों के माध्यम से नए संघर्ष भी खड़े किए जा रहे हैं।

खालिस्तान, नगा, मिजो, माओवाद, जनजातीय समाज में अलग-अलग प्रयास, जैसे मूलनिवासी आदि मुद्दे बनाए जा रहे हैं। जेहादी और वामपंथी विचारों के बुद्धि जीवी भी इस अभियान में आगे दिखते हैं। भारतीय जीवन शैली, आयुर्वेद, योग, भारतीय भाषाएं, भारत के मानबिंदु, भारत के गौरव पुरूष, प्रेरणापुंज सब इनके निशाने पर हैं। राष्ट्रीय मुख्यधारा में सभी समाजों, अस्मिताओं का एकत्रीकरण और विकास के बजाए तोड़ने के अभियान तेज हैं। इस षडयंत्र में अब देशविरोधी विचारों की आपसी नेटवर्किंग भी साफ दिखने लगी है। संस्थाओं को कमजोर करना, अनास्था, अविश्वास और अराजकता पैदा करने के प्रयास भी इन गतिविधियों में दिख रहे हैं। 1857 से 1947 तक के लंबे कालखंड में लगातार लड़ते हुए। आम जन की शक्ति भरोसा करते हुए। हमने यह आजादी पाई है। इस आजादी का मोल इसलिए हमें हमेशा स्मरण रखना चाहिए।

दुनिया के सामने लेनिन, स्टालिन,माओ के राज के उदाहरण सामने हैं। मानवता का खून बहाने के अलावा इन सबने क्या किया। इनके कर्म आज समूचे विश्व के सामने हैं। यही मानवता विरोधी और लोकतंत्र विरोधी विचार आज भारत को बांटने का स्वप्न देख रहे हैं। आजादी अमृत महोत्सव और गणतंत्र दिवस का संकल्प यही हो कि हम लोगों में भारतभाव, भारतप्रेम, भारतबोध जगाएं। भारत और भारतीयता हमारी सबसे बड़ी और एक मात्र पहचान है, इसे स्वीकार करें। कोई किताब, कोई पंथ इस भारत प्रेम से बड़ा नहीं है। हम भारत के बनें और भारत को बनाएं। भारत को जानें और भारत को मानें। इसी संकल्प में हमारी मुक्ति है। हमारे सवालों के समाधान हैं। छोटी-छोटी अस्मिताओं और भावनाओं के नाम पर लड़ते हुए हम कभी एक महान देश नहीं बन सकते। इजराइल, जापान से तुलना करते समय हम उनकी जनसंख्या नहीं, देश के प्रति उन देशों के नागरिकों के भाव पर जाएं। यही हमारे संकटों का समाधान है।

समाज को तोड़ने उसकी सामूहिकता को खत्म करने के प्रयासों से अलग हटकर हमें अपने देश को जोड़ने के सूत्रों पर काम करना है। जुड़कर ही हम एक और मजबूत रह सकते हैं। समाज में देश तोड़ने वालों की एकता साफ दिखती है, बंटवारा चाहने वाले अपने काम पर लगे हैं। इसलिए हमें ज्यादा काम करना होगा। पूरी सकारात्मकता के साथ, सबको साथ लेते हुए, सबकी भावनाओं का मान रखते हुए। यह बताने वाले बहुत हैं कि हम अलग क्यों हैं। हमें यह बताने वाले लोग चाहिए कि हम एक क्यों हैं, हमें एक क्यों रहना चाहिए। इसके लिए वासुदेव शरण अग्रवाल, धर्मपाल, रामधारी सिंह दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त, जयशकंर प्रसाद, विद्यानिवास मिश्र, निर्मल वर्मा, रामविलास शर्मा जैसे अनेक लेखक हमें रास्ता दिखा सकते हैं।

लाल किले से पीएम मोदी का "नया संदेश"

युवा, रोजगार और राष्ट्र सुरक्षा

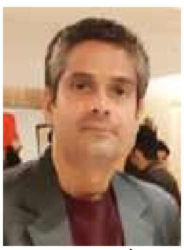

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

इस बार 15 अगस्त पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वतंत्रता दिवस भाषण बिल्कुल नए रंग में नजर आया। उन्होंने इतिहास की परंपरागत बातें छोड़कर भविष्य की चुनौतियों और अवसरों पर सीधा फोकस किया। पीएम मोदी ने युवाओं को भरोसा दिलाया कि अब निजी क्षेत्र में पहली नौकरी पाने वाले हर युवा को सरकार की ओर से 15 हजार रुपए मिलेंगे। यह कदम न सिर्फ युवाओं को सम्मानजनक शुरुआत देगा बल्कि रोजगार की दिशा में नया अध्याय खोलेगा। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उल्लेख कर अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण में संगठन की भूमिका को रेखांकित किया। इसके साथ ही उन्होंने दिवाली पर जीएसटी में बड़े तोहफे का एलान करते हुए कारोबारियों और आम उपभोक्ताओं दोनों को राहत देने का भरोसा दिया। अपने भाषण में उन्होंने सुदर्शन चक्र का प्रतीक भी जोड़ा, जैसे भगवान कृष्ण का चक्र धर्म और सत्य की रक्षा का शाश्वत प्रतीक था, वैसे ही आज का भारत भी युवाओं की ऊर्जा, आर्थिक सुधारों और सुरक्षाबलों की ताकत के साथ एक सुदृढ़ चक्र की तरह वैश्विक मंच पर चमकेगा। प्रधानमंत्री का यह संबोधन साफ संकेत देता है कि आने वाले समय में भारत का एजेंडा है, मजबूत युवा, सुरक्षित देश, सशक्त अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भविष्य।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीन से 12वीं बार तिरंगा फहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में परंपरा तोड़ते हुए नया एजेंडा सामने रखा। इस बार उन्होंने न स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास दोहराया और न ही आज़ादी की गाथा सुनाई। बल्कि सीधे भविष्य की दिशा, युवाओं के रोजगार, राष्ट्र सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अनुशासन की ओर संदेश दिया। पीएम मोदी ने कई अहम घोषणाएं कीं जिनका सीधा असर युवाओं और आम जनता दोनों पर पड़ेगा। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने युवाओं को सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए घोषणा की कि अब निजी क्षेत्र में पहली नौकरी करने वाले हर युवा को न्यूनतम 15 हजार रुपए मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रोजगार सुधारों के जरिए युवाओं को आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक शुरुआत दी जाएगी। पीएम ने इस मौके पर आम जनता और कारोबारियों को भी दिवाली से पहले बड़ा तोहफ़ा दिया और कहा कि इस बार जीएसटी दरों में राहत दी जाएगी, जिससे रोज़मर्रा के सामान सस्ते होंगे और छोटे कारोबारियों को सीधा लाभ मिलेगा। पीएम मोदी ने अपने भाषण में पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी उल्लेख किया और कहा कि संगठन, अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण की ताकत भारत को और मज़बूत बनाती है। उन्होंने युवाओं से आहवान किया कि वे वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें। इसी बीच प्रधानमंत्री ने सुरक्षा के मुद्दे पर भगवान कृष्ण के सुदर्शन चक्र की उपमा दी। उन्होंने कहा कि जैसे कृष्ण का चक्र धर्म और सत्य की रक्षा का प्रतीक था, वैसे ही आज भारत का सुदर्शन चक्र युवाओं की ऊर्जा, सुरक्षाबलों की ताकत और विज्ञान-तकनीक की प्रगति से बना है, जो हर दुश्मन को जवाब देने में सक्षम है। प्रधानमंत्री ने पड़ोसी देश पाकिस्तान पर भी अप्रत्यक्ष हमला बोला और कहा कि भारत अब आतंकवाद और घुसपैठ को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। हमारी सेना और सुरक्षाबल पूरी तरह तैयार हैं और देश की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होगा। इसके साथ ही मोदी ने मेक इन इंडिया

और स्टार्टअप इंडिया को नई गति देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन का वैश्विक केंद्र बनेगा और अब भारत सिर्फ उपभोग करने वाला नहीं बल्कि दुनिया को निर्यात करने वाला राष्ट्र बनेगा। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि आजादी के संघर्ष का इतिहास हमें प्रेरणा देता है लेकिन अब लक्ष्य है भविष्य। भारत को आत्मनिर्भर बनाना, युवाओं को सशक्त करना, आम जनता को राहत देना और दुनिया के सामने एक मजबूत राष्ट्र के रूप में खड़ा करना ही असली संकल्प है। लाल किले से दिया गया पीएम मोदी का यह संबोधन परंपरा से हटकर था, जिसमें युवाओं के लिए रोजगार गारंटी, आम जनता के लिए जीएसटी तोहफ़ा, संघ का उल्लेख, सुरक्षा पर सुदर्शन चक्र की उपमा, पाकिस्तान को चेतावनी और मेक इन इंडिया की नई दिशा जैसे कई बड़े संदेश शामिल थे। प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया कि भारत का लक्ष्य अब इतिहास नहीं बल्कि भविष्य की मजबूती और वैश्विक नेतृत्व है।

युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में पहली नौकरी पर केंद्र सरकार देगी 15 हजार रुपए

देश के युवाओं के लिए स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार के क्षेत्र में सबसे बड़ी सौगात दी। लाल किले की प्राचीर से उन्होंने ऐलान किया कि अब पहली बार प्राइवेट नौकरी में कदम रखने वाले युवाओं को सरकार की ओर से 15 हजार रुपए का सीधा लाभ मिलेगा। इस योजना का नाम है 'पीएम विकसित भारत रोजगार योजना। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की असली ताकत उसका युवा वर्ग है और यदि उन्हें सही शुरुआत मिले तो देश की प्रगति को कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने बताया कि अक्सर निजी क्षेत्र में नौकरी की शुरुआत करने वाले युवाओं को बहुत कम वेतन मिलता है। ऐसे में सरकार ने फैसला लिया है कि उनकी पहली नौकरी को मजबूती देने के लिए सरकार सीधे उन्हें वित्तीय सहायता देगी। योजना के तहत यदि कोई युवा अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद पहली बार किसी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है, तो सरकार उसके खाते में 15,000 की एकमुश्त सहायता राशि जमा करेगी। इस कदम का मकसद युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार में शुरुआती मुश्किलों से राहत देना है। पीएम मोदी ने कहा कि 'युवा भारत की शक्ति हैं। पहली नौकरी उनके जीवन का सबसे महत्वपूण र्ण मोड़ होती है। यदि हम उस मोड़ पर उन्हें सहारा देंगे तो वे आने वाले समय में देश को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। यह योजना न सिर्फ युवाओं के लिए राहत है, बल्कि रोजगार बाज़ार में भी उत्साह भरेगी। इससे निजी क्षेत्र की कंपनियां नए उम्मीदवारों को नौकरी देने में और सक्रिय होंगी। सरकार का लक्ष्य है कि 'पीएम विकसित भारत रोजगार योजना' के जरिए पहले चरण में 50 लाख युवाओं को लाभ मिले। आने वाले समय में इसे और व्यापक बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह योजना युवाओं को सम्मानजनक शुरुआत देने के साथ-साथ 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' अभियानों को भी नई दिशा देगी। उन्होंने भरोसा जताया कि इस पहल से भारत न सिर्फ रोजगार पैदा करेगा, बल्कि दुनिया के लिए अवसरों का केंद्र बनेगा। प्रधानमंत्री मोदी की 'पीएम विकसित भारत रोजगार योजना' युवाओं के लिए एक बड़ी सौगात है। पहली प्राइवेट नौकरी में सीधे सरकार से 15 हजार रुपए मिलना उन्हें आत्मविश्वास और सम्मानजनक शुरुआत देगा। यह घोषणा आने वाले वर्षों में रोजगार और अर्थव्यवस्था

राज्यपाल ने स्वतंत्रता दिवस शुभकामनाएं दीं, कहा- देवभूमि निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या में जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने स्वतंत्रता संग्राम के ज्ञात और अज्ञात वीर सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनके अदम्य साहस, त्याग और बलिदान से ही स्वतंत्र भारत का सपना साकार हुआ। उन्होंने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी एवं सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। राज्यपाल ने कहा कि भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है, आने वाले अमृतकाल के 22 वर्षों में इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारे कुछ उत्तरदायित्व हैं और आने वाली पीढ़ी के प्रति हमारी कुछ जिम्मेदारियां भी हैं। वर्ष 2047 में जब हम स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेंगे, तब हमारा लक्ष्य एक ऐसा विकसित भारत होगा जो वैश्विक मंच पर अपनी एक अलग पहचान बनाए। राज्यपाल ने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उत्तराखण्ड देवभूमि निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। योग, आयुर्वेद, हनी, अरोमा और वेलनेस जैसे क्षेत्रों में यहां असीम संभावनाएं हैं। इन प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदाओं का समुचित उपयोग कर इन्हें आर्थिक अवसरों में बदलना हमारी साझा जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने कहा कि पर्यटन प्रदेश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है। चारधाम, कांवड़, हेमकुंड साहिब और मानसखण्ड यात्राओं सहित साहसिक, वेलनेस और इको-टूरिज्म में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष से शुरू हुई शीतकालीन यात्रा के सुखद परिणाम सामने आए हैं पर्यटक की बढ़ती रुचि से स्पष्ट है कि उत्तराखण्ड ''ऑल सीजन टूरिज्म'' के केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। राज्यपाल ने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण उत्तराखण्ड में समय-समय पर प्राकृतिक आपदाओं जैसी चुनौतियों की संभावना बनी रहती है, लेकिन इसके बावजूद राज्य का आपदा प्रबंधन तंत्र किसी भी चुनौती के लिए सदैव तैयार है। उन्होंने हाल ही में धराली और पौड़ी में आई प्राकृतिक आपदा में हताहत हुए लोगों के प्रति दुख व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा की इस चुनौती ने हमें एक बार फिर परखा। राज्यपाल ने इस राहत एवं बचाव अभियान में लगे केंद्र और राज्य सरकार की सभी एजेंसियों के कार्मिकों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका समर्पण एवं सेवा भाव आपदा प्रबंधन की उत्कृष्ट मिसाल है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड वीरों की भूमि है, जहां के अनेक सपूतों ने मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वस्व अर्पित किया है। उन्होंने कहा कि वीर शहीदों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए ''पांचवें धाम'' के रूप में भव्य सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कृषि, जैविक खेती और औद्यानिकी को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। मातृशक्ति और बेटियों की भूमिका पर गर्व व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और साहस ने प्रदेश को हमेशा नई ऊर्जा और दिशा दी है। उन्होंने विश्वास जताया है कि महिलाएं अपनी प्रतिभा और कौशल से उत्तराखण्ड की संभावनाओं को अवसरों में बदलकर इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

दोनों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है।

लाल किले से पीएम मोदी का एलान, इस बार दीपावली पर जीएसटी में मिलेगी राहत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए शासन, टैक्स प्रणाली और पब्लिक सर्विस डिलीवरी में सुधार लाने के लिए एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब लक्ष्य सभी तरह के सुधार लागू करने का है। त्योहार के माहौल में पीएम मोदी ने इस साल देशवासियों को डबल दिवाली का वादा किया। उन्होंने संकेत दिया कि इस बार दिवाली पर बड़ा आर्थिक तोहफा मिलेगा आम घरेलू सामान पर जीएसटी में बड़ी कटौती की जाएगी। पीएम मोदी ने कहा, इस दिवाली मैं आपके लिए डबल दिवाली मनाने वाला हूं। देशवासियों को एक बड़ा तोहफा मिलेगा, आम घरों में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर जीएसटी में भारी कटौती होगी। प्रधानमंत्री ने जीएसटी दरों की समीक्षा को 'समय की मांग' बताया और कहा कि सरकार एक नई पीढ़ी की जीएसटी सुधार योजना पर काम कर रही है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों पर टैक्स का बोझ कम करना है। उन्होंने साफ कहा, 'जीएसटी दरों में भारी कटौती होगी। आम लोगों के लिए टैक्स कम किया जाएगा।' यह घोषणा ऐसे समय पर हुई है जब जीएसटी को लागू हुए आठ साल पूरे हो रहे हैं। 2017 में लॉन्च के बाद जीएसटी ने देश की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को एकीकृत किया और खासकर छोटे और मझोले व्यवसायों के लिए कारोबार करना आसान बनाया। पीएम मोदी के बयान हालिया आंकड़ों से भी मेल खाते हैं, जिनमें रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन और कारोबारियों में टैक्स सिस्टम को और आसान बनाने की मांग दिखी है। प्रस्तावित सुधारों से जीएसटी दर संरचना को सरल बनाने, पारदर्शिता बढ़ाने और सिस्टम को अधिक न्यायसंगत बनाने की उम्मीद है। वहीं अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधता वाले देश को मज़बूत बनाने के लिए संगठन और अनुशासन बेहद जरूरी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि 'संघ ने दशकों से समाज को जोड़ने, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम को मजबूत करने का काम किया है।' उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर देश की प्रगति में योगदान दें। यह उल्लेख साफ तौर पर राजनीतिक और सामाजिक संदेश लिए हुए माना जा रहा है।

आत्मनिर्भर भारत और देश की मजदूर सुरक्षा पर प्रधानमंत्री ने दिया जोर

पीएम मोदी ने राष्ट्र की सुरक्षा को सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि भारत आज ऐसे मुकाम पर है जहां हमें आंतरिक और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों से जूझना है। इस संदर्भ में उन्होंने भगवान कृष्ण के सुदर्शन चक्र का उदाहरण दिया। पीएम मोदी ने कहा, 'जैसे कृष्ण का चक्र सत्य और धर्म की रक्षा का प्रतीक था, वैसे ही आज का भारत भी अपने युवाओं, सुरक्षाबलों और विज्ञान-तकनीक की ताकत से दुश्मनों के सामने अडिग खड़ा है। हमारा सुदर्शन चक्र मज़बूत है और यह किसी भी संकट को मात देने में सक्षम है। यह संदेश साफ तौर पर पड़ोसी देशों और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को लेकर था। अपने भाषण के अंतिम हिस्से में प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले सालों में भारत का असली एजेंडा होगा, रोजगार सृजन, कर राहत, संगठन व अनुशासन और सुरक्षा। उन्होंने दोहराया कि भारत अब सिर्फ अतीत की उपलब्धियों पर गर्व करने वाला देश नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को जीतने वाला राष्ट्र बनेगा।

मोदी ने कहा कि 'हमारा लक्ष्य है आत्मनिर्भर भारत, सुरक्षित भारत और विश्व मंच पर मज़बूत भारत। यह सिर्फ सरकार का नहीं, हर नागरिक का संकल्प है। इस बार प्रधानमंत्री ने आज़ादी की लड़ाई और बलिदानों की कहानियों का उल्लेख नहीं किया। उन्होंने कहा कि 'अतीत हमें प्रेरणा देता है, लेकिन हमें हर बार अतीत में उलझकर नहीं रहना चाहिए। अब समय है भविष्य पर ध्यान देने का। पीएम मोदी ने युवाओं से आहवान किया कि वे नई तकनीक, स्टार्टअप, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन एनर्जी में नेतृत्व करें। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और इस लक्ष्य को पूरा करने में युवा ही सबसे बड़ी ताकत हैं।

सीएम धामी ने स्वतंत्रता दिवस पर फहराया तिरंगा और राज्य के विकास के लिए कई घोषणाएं की

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर परेड ग्राउंड देहरादून में राज्य के मुख्य कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया एवं फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर वीर बलिदानियों और स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण किया और उत्तराखंड राज्य स्थापना के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले सभी आंदोलनकारियों को नमन किया। उन्होंने उत्तरकाशी के धराली सहित राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदाओं में प्रभावित हुए सभी परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की कठिन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों ने तत्परता, समर्पण और साहस के साथ राहत एवं बचाव का कार्य किया, इसके लिए उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास कार्यों को पूरी संवेदना के साथ और तेज गति से किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की 78 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा में देशवासियों के अदम्य साहस, अटूट समर्पण और निरन्तर परिश्रम के बल पर हमारा राष्ट्र अनेक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान

अपर पुलिस महानिदेशक अजय प्रकाश अंशुमान को राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया। सेवा के आधार पर मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से श्वेता चौबे, सेनानायक आईआरबी द्वितीय देहरादून, योगेश चन्द्र पुलिस उपाधीक्षक, विपिन चन्द्र पाठक, निरीक्षक नागरिक पुलिस, नरेन्द्र सिंह बिष्ट, निरीक्षक नागरिक पुलिस, राकेश चन्द्र भट्ट, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस, अजय प्रकाश सेमवाल, लीडिंग फायरमैन और सुनीत कुमार, मुख्य आरक्षी को सम्मानित किया गया।

विशिष्ट कार्य के लिए मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से शेखर चन्द्र सुयाल, अपर पुलिस अधीक्षक, राजेन्द्र सिंह खोलिया, निरीक्षक नागरिक पुलिस, कैलाश चन्द्र भट्ट, निरीक्षक नागरिक पुलिस, मनोहर सिंह रावत, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस, ओमकान्त भूषण, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस, दीपक कुमार, अपर उप निरीक्षक नागरिक पुलिस, गोपाल राम मुख्य आरक्षी, अमरजीत, आरक्षी और राहुल, आरक्षी को सम्मानित किया गया। विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों प्रिया राणा, मनीषा चौहान, राहुल सरनालिया, अमीषा चौहान, विशम कश्यप, अमित बेलवाल और महक चौहान को भी मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट, नरेश बंसल, विधायक खजानदास, जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, सचिवगण, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, एसएसपी अजय सिंह एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे। स्वतंत्रा दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस पुनीत अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों अमर शहीदों, वीर-वीरागंनाओं और राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए, देश और राज्य की प्रगति में अपना योगदान दे रही उत्तराखण्ड की देवतुल्य जनता का भी अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि उत्तराखंड राज्य आपदा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है, इस वर्ष उत्तरकाशी के धराली सहित राज्य के अन्य क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने जनजीवन को प्रभावित किया है। उन्होंने सभी आपदा प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है, आपदा की इस कठिन परिस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सहित राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा जिस तत्परता, समर्पण और साहस के साथ राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग दिया है, उसके लिए भी मुख्यमंत्री ने सभी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सैन्य परम्परा और देशभक्ति की विरासत पर गर्व है। राज्य सरकार द्वारा शहीद सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह अनुदान राशि को बढ़ाकर 50 लाख रुपये, एवं परमवीर चक्र विजेताओं को दी जाने वाली राशि को 50 लाख से बढ़ाकर डेढ़ करोड़ किया गया है। अग्निवीरों को भी 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिए जाने के लिए नीति तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के प्रति हमारे विजन का ही परिणाम है कि उत्तराखण्ड देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है। प्रधानमंत्री जी की अपेक्षाओं के अनुरूप हमारा राज्य, तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। आज उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला स्वतंत्र भारत का पहला राज्य बन गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड में लगभग दो लाख करोड़ की योजनाओं पर कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। हरिपुर कालसी में यमुना तीर्थ स्थल, हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर परियोजना, शारदा कॉरिडोर परियोजना के साथ मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत प्रथम चरण में 16 पौराणिक मंदिरों को विकसित किया जा रहा है। राज्य में भारतीय संस्कृति, दर्शन और इतिहास के गहन अध्ययन के लिये दून विश्वविद्यालय में सेटर फॉर हिन्दू स्टडीज की स्थापना की गई है। जबकि नई शिक्षा नीति लागू करने वाला उत्तराखण्ड़ अग्रणी राज्य बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 30 से अधिक नई नीतियां लागू की गई हैं। इन्वेस्टर्स समिट में देश-विदेश के उद्यमियों द्वारा 3 लाख 56 हजार करोड़ के एमओयू किये गए। इनमें से एक लाख करोड़ से अधिक की ग्राउंडिंग की जा चुकी है। इससे राज्य में लगभग 81 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत अब तक 35 हजार लोग अपना स्वरोजगार प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास योजना तथा वाईब्रेंट विलेज योजना से राज्य के सीमावर्ती गांवों का विकास हो रहा है। राज्य के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने के लिए अंब्रेला ब्रांड 'हाउस ऑफ हिमालयाज' प्रारम्भ किया गया है। राज्य में एपल, कीवी, ड्रेगनफ्रूट मिशन के साथ सगंध कृषि को बढावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में धर्मांतरण रोकने के लिए बनाए गए कानून को और प्रभावी बनाते हुए, इसे सख्ती से लागू किया जा रहा है। प्रदेश में पहली बार बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर सात हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त किया गया है। राज्य में जनभावनाओं के अनुरूप सख्त भू-कानून लागू किया गया है। उत्तराखंड में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू कर नकल माफियाओं पर कार्रवाई की गई है। अब प्रदेश में पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता से भर्तियां हो रही हैं। पिछले 04 वर्षो में सरकारी सेवाओं में लगभग 24 हजार से अधिक भर्तियां की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नई सौर ऊर्जा की नीति तैयार की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा की सुगमता के लिये एक हजार गांवों को सोलर ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की वैडिंग डेस्टिनेशन एवं फिल्म शूटिंग के डेस्टिनेशन के रूप में पहचान बनी है। राज्य सरकार के कुशल यात्रा प्रबंधन के चलते इस वर्ष अब तक 42 लाख श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आ चुके हैं। राज्य से इस वर्ष से कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालन के साथ शीतकालीन यात्रा की भी महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आयुष्मान योजना का लाभ जन जन तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। नि:शुल्क जांच योजना के तहत मरीजों को 207 प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचों की सुविधा दी जा रही है। पिछले तीन वर्षो में राज्य में दो नए मेडिकल कॉलेज शुरू किये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण के साथ ही सहकारी समितियों में भी 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का निर्णय लिया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री नारी सशक्तिकरण योजना, लखपति दीदी योजना सहित अनेक योजनाएं महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बना रही है। महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख तक का ऋण बिना ब्याज के दिया जा रहा है।

DIVYAMOL TM
Nettle Hair Oil
प्राकृतिक बालों की
खूबसूरती का राज
"बिच्छू बूटी तेल"
Organic Nettle Tea
जोड़ों के दर्द
से राहत
"जैविक बिछुआ चाय"
Nettle Pain Oil
मांसपेशियों के दर्द
का उपचार
"बिच्छू बूटी तेल"
समस्त देशवासियों को आजादी के महापर्व
एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
स्वतंत्रता दिवस
15TH AUGUST
fssai
22624030001042
UDYOG AADHAR
MSME
UK05D0011104
Contact Us: 146-A Sailok-1, GMS Road Dehradun 248001, Uttarakhand, India
E-mail: divyamol.venture@gmail.com | Customer Care: +91 7017387260 | Website: www.divyamol.co.in

उत्तराखण्ड शासन

समस्त देशवासियों को

79 वें

स्वतन्त्रता दिवस

की

हार्दिक शुभकामनाएँ

15 अगस्त

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

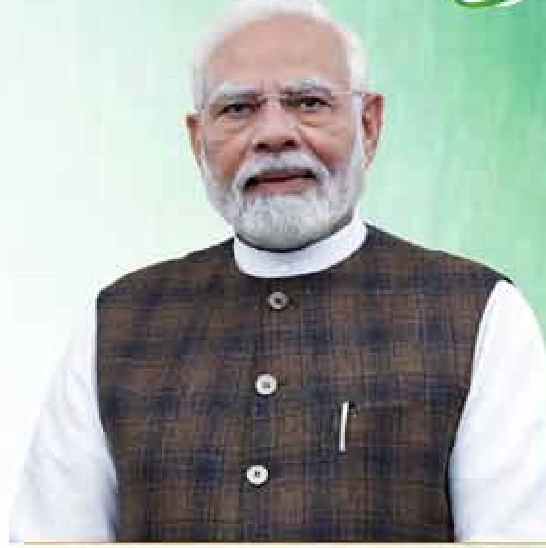

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

नये भारत का नया उत्तराखण्ड

महिला सशक्तिकरण

हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड से उत्तराखण्ड महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक और प्राकृतिक उत्पादों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध। को-ऑपरेटिव बैंकों और सहकारी समितियों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण। मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल। मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना का हुआ शुभारंभ।

बड़े निर्णय-बड़े प्रभाव

समान नागरिक संहिता, सशक्त भू-कानून, राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण, राज्य

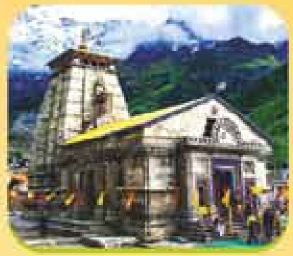

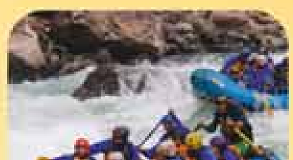

विरासत का संरक्षण

केदारनाथ धाम का दिव्य और भव्य पुनर्निर्माण। बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। हरिपुर कालसी में यमुना तीर्थ स्थल का होगा निर्माण। हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर, शारदा कॉरिडोर का होगा निर्माण। मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत प्रथम चरण में 16 पौराणिक मंदिरों को किया जा रहा विकसित। महासू मन्दिन्दिर, हनोल के मास्टर प्लान को दी गई मंजूरी।

पर्यटन

उत्तराखण्ड के जखोल, सूपी, हर्षिल और गुंजी गांवों को भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में पुरस्कृत किया

आंदोलनकारियों के लिए सरकारी नौकरियों में 10% एवं सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू। राज्य में साढ़े 6 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि अतिक्रमण से मुक्त।

युवा-शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार

बीते 4 वर्षों में 23 हजार से ज्यादा युवाओं को मिली सरकारी नौकरी। राज्य में बेरोजगारी दर में 4.4 प्रतिशत की आई कमी। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत अब तक 35 हज़ार लोगों ने शुरु किया स्वरोजगार। नई शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना उत्तराखण्ड। उद्यम सिंह नगर के किच्छा में एम्स की सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान। राज्य में 207 प्रकार की पैथोलॉजी जांच मुफ्त। अटल आयुष्मान योजना के तहत हर परिवार को मिल रहा हर साल ₹ 5 लाख तक का मुफ्त इलाज।

सैनिकों का सम्मान

राज्य सरकार द्वारा शहीद सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह अनुदान राशि को बढ़ाकर किया गया 50 लाख रुपये। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि को 50 लाख से बढ़ाकर किया गया डेढ़ करोड़। देहरादून में सैन्य धाम का हो रहा निर्माण कार्य।

उत्तराखण्ड लिख रहा इतिहास

नीति आयोग द्वारा सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रैंकिंग में उत्तराखण्ड देश में प्रथम स्थान पर। राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखण्ड ने 103 पदक प्राप्त कर नया रिकार्ड बनाया। प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नई सौर ऊर्जा नीति, की गई तैयार। सतत प्रयासों से राज्य की जी.एस. डी.पी. में 1.3 गुना और प्रति व्यक्ति आय में 11.33 प्रतिशत की हुई बढोत्तरी। जीएसटी संग्रहण में 14 प्रतिशत की वृद्धि। सौभाग्य योजना के तहत 2.5 लाख हज़ार परिवारों को नि:शुल्क विद्युत कनेक्शन किए गए प्रदान।

गया। पाइलट विलेज प्रोग्राम के अंतर्गत समिति के 51 गांवों का चयन कर, किया जा रहा सुनियोजित विकास। राज्य में पहली बार शीतकालीन यात्रा का हुआ शुभारंभ। राज्य में अब तक 4 हजार से अधिक होमस्टे पंजीकृत।

कनेक्टिविटी

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा केवल 2.5 घंटे में पूरी होगी। गौरीकुण्ड से केदारनाथ एवं गोविन्दघाट से हेमकुण्ड साहिब तक रोपवे निर्माण कार्य को मिली केंद्र सरकार से स्वीकृति। पिथौरागढ़ से पंतनगर, दिल्ली, देहरादून तक शुरु हुई उड़ान सेवा। ऋषिकेश - कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना का कार्य तेजी से गतिमान। नैनीताल, बागेश्वर, मसूरी, चंपावत, गौचर, श्रीनगर, चिन्यालीसौड़, मुन्स्यारी, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा को हेली सेवा से जोड़ा गया। टनकपुर-बागेश्वर रेललाईन पर सर्वे का कार्य हुआ पूरा। उत्तराखण्ड को केंद्र से दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात।

उद्योग एवं निवेश

एमएसएमई नीतिः नए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन। ऊधमसिंह नगर के खुरपिया फॉर्म में भारत सरकार द्वारा स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्वीकृत। इन्वेस्टर्स समिट में 3.5 लाख करोड़ के एमओयू, 30 निवेश अनुकूल नई नीतियां, अब तक लगभग 1 लाख करोड़ की हुई ग्राउंडिंग।

विकसित भारत
सशक्त उत्तराखण्ड

आओ, मिलकर फहराएं
हर घर तिरंगा

बड़े आयोजन

- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023
- जी-20 सम्मेलन 2023
- 38वें राष्ट्रीय खेल 2024
- अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन - 2025
- विश्व आयुर्वेद कांग्रेस
- अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो - 2024 का राज्य में हुआ सफल आयोजन।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

सच्चाई, साहस और समर्पण के साथ

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

समस्त देशवासियों को आजादी के महापर्व एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

www.divyahimgiri.in | Divya Himgiri

भाजपा के ही 'राजीव और संजीव' में अध्यक्ष बनने के लिए हुआ घमासान

कांस्टीटयूशन क्लब चुनाव इस बार खास बन गया क्योंकि इसमें असली टक्कर विपक्ष से नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर ही देखने को मिली। अध्यक्ष पद की रेस में पार्टी के दो दिग्गज राजीव-संजीवआमने-सामने आ गए। दोनों ने अपनी-अपनी ताकत झोंक दी, समर्थकों को लामबंद किया और आखिरी वक्त तक खींचतान जारी रही। इस घमासान ने न सिर्फ चुनाव को रोमांचक बना दिया, बल्कि भाजपा की अंदरूनी राजनीति और गुटबाजी भी उजागर कर दी। आखिरकार राजीव प्रताप रूडी ने बाजी मार ली उन्होंने संजीव बालियान को कड़ी टक्कर के बाद हरा दिया। कांस्टीटयूशन क्लब का बहुप्रतीक्षित चुनाव भाजपा के दो पूर्व केंद्रीय मंत्रियों राजीव प्रताप रूडी और संजीव बालियान के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबले में तब्दील हो गया। यह मुकाबला साफ कर गया कि पार्टी के भीतर भी वर्चस्व की लड़ाई किसी आम चुनाव से कम नहीं। शंभू नाथ गौतम।

आमतौर पर देखा जाता है कि कोई भी चुनाव क्यों न हो उसमें पक्ष और विपक्ष के बीच टक्कर रहती है। लेकिन कुछ चुनाव ऐसे भी होते हैं जिसमें अपनों के बीच ही रोमांचक मुकाबला देखने को मिलता है। मंगलवार, 12 अगस्त को एक ऐसा चुनाव हुआ जिसमें भाजपा के दो पूर्व केंद्रीय मंत्रियों राजीव प्रताप रूडी और संजीव बालियान के बीच जीतने को लेकर सियासी जंग देखने को मिली। सबसे खास बात यह रही कि इसमें विपक्ष के सांसदों ने भी वोटिंग की। आखिरकार राजीव प्रताप रूडी ने बाजी मार ली उन्होंने संजीव बालियान को कड़ी टक्कर के बाद हरा दिया। कांस्टीटयूशन क्लब का बहुप्रतीक्षित चुनाव भाजपा के दो पूर्व केंद्रीय मंत्रियों राजीव प्रताप रूडी और संजीव बालियान के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबले में तब्दील हो गया। माहौल में और रोमांच तब जुड़ गया जब विपक्षी खेमे के कई दिग्गज नेताओं ने भी मतदान में हिस्सा लिया। नतीजों में राजीव प्रताप रूडी ने बाजी मारते हुए न सिर्फ संजीव बालियान को मात दी, बल्कि विपक्षी वोटों की अहम बढ़त से अपनी जीत और भी पुख्ता कर ली। कांस्टीटयूशन क्लब के रोमांचक चुनाव में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने अपने प्रतिद्वंद्वी और पार्टी के ही पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान को मात देकर अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। इस चुनाव में कुल 1,425 वोट पड़े, जिसमें रूडी को 815 और बालियान को 610 वोट मिले। दिलचस्प बात यह रही कि भाजपा के नेताओं के साथ-साथ विपक्षी दलों के कई बड़े नेता भी मतदान के लिए पहुंचे। इनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस की सोनिया गांधी, राहुल गांधी, डीएमके नेता टी.आर. बालू, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय और समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव समेत कई दिग्गज शामिल रहे। जीत के बाद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि यह केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि संसदीय परंपराओं और आपसी सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कांस्टीटयूशन क्लब सांसदों के विचार-विमर्श, संवाद और मेलजोल का महत्वपूर्ण मंच है, जिसे सभी दलों के सहयोग से और मजबूत बनाया जाएगा। गौरतलब है कि कांस्टीटयूशन क्लब ऑफ इंडिया संसद भवन परिसर के पास स्थित एक प्रतिष्ठित संस्था है, जिसकी सदस्यता केवल सांसदों और पूर्व सांसदों को मिलती है। यहां राजनीतिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ आपसी संवाद का भी माहौल बनता है। राजीव प्रताप रूडी का इस क्लब में दबदबा पिछले 25 वर्षों से कायम है और इस चुनाव में उन्होंने एक बार फिर अपनी मजबूत पकड़ साबित कर दी।

कांस्टीटयूशन क्लब सांसदों का संवाद और मेलजोल का प्रतिष्ठित मंच

कांस्टीटयूशन क्लब ऑफ इंडिया संसद भवन परिसर के निकट स्थित देश की एक प्रतिष्ठित संस्था है, जिसकी सदस्यता केवल वर्तमान और पूर्व सांसदों को ही मिलती है। इसकी स्थापना का उद्देश्य सांसदों को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना था, जहां वे दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर संवाद, विचार-विमर्श और आपसी मेलजोल कर सकें। यहां राजनीतिक बहस से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठियां, पुस्तक विमोचन और सामाजिक कार्यक्रम तक आयोजित होते हैं। क्लब में रेस्तरां, बैठक कक्ष, लाइब्रेरी, खेल-कूद और जिम जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। यह केवल औपचारिक बैठकों का स्थान ही नहीं, बल्कि नेताओं के अनौपचारिक मेलजोल का भी केंद्र है, जहां राजनीतिक मतभेदों के बीच भी व्यक्तिगत रिश्ते मजबूत होते हैं। समय-समय पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री और विपक्ष के शीर्ष नेता भी यहां

कार्यक्रमों में शिरकत करते हैं। पिछले कई वर्षों में कांस्टीटयूशन क्लब न केवल संसदीय परंपराओं का गवाह बना है, बल्कि देश की राजनीति में अहम फैसलों और चर्चाओं का भी मूक साक्षी रहा है।

राजीव प्रताप रूडी और संजीव बालियान पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे हैं

कांस्टीटयूशन क्लब का इस बार का चुनाव सिर्फ एक साधारण प्रक्रिया नहीं, बल्कि भाजपा के दो पूर्व केंद्रीय मंत्रियों के बीच हाई-वोल्टेज राजनीतिक टक्कर बन गया। बिहार के सारण से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी तथा उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान आमने-सामने थे। राजीव प्रताप रूडी का कांस्टीटयूशन क्लब प्रबंधन में 25 साल से भी अधिक का प्रभाव रहा है। 1996 में पहली बार छपरा (अब सारण) से सांसद बनने के बाद उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री और मोदी सरकार में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री के रूप में काम किया। संसदीय मामलों में उनकी सक्रिय भूमिका और राजनीतिक नेटवर्किंग उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती रही है। वहीं, संजीव बालियान 2014 में मुजफ्फरनगर से पहली बार लोकसभा पहुंचे और मोदी सरकार में कृषि, जल संसाधन, गंगा पुनर्जीवन, पशुपालन और डेयरी जैसे अहम मंत्रालयों में राज्य मंत्री रहे। किसान और जाट समुदाय में उनकी गहरी पकड़ उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रभावशाली चेहरा बनाती है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में संजीव बालियान समाजवादी पार्टी के हरेन मालिक से हार गए थे। चुनाव में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से लेकर विपक्ष के बड़े चेहरों तक ने मतदान किया। गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत कई केंद्रीय मंत्री और सांसदों ने इस चुनाव में हिस्सा लिया। माहौल पूरी तरह रोमांचक रहा और समर्थक दोनों पक्षों के लिए जोर-शोर से लामबंद रहे। नतीजे में एक बार फिर रूडी का दबदबा कायम रहा। उन्होंने बालियान को मात देते हुए कांस्टीटयूशन क्लब में अपना पुराना वर्चस्व बरकरार रखा। राजनीतिक हलकों का मानना है कि यह जीत उनके पुराने संपर्कों, संगठनात्मक कुशलता और संसदीय अनुभव का परिणाम है। यह चुनाव एक बार फिर साबित करता है कि कांस्टीटयूशन क्लब सिर्फ मेल-मुलाकात का स्थल नहीं, बल्कि नेताओं के लिए राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का भी अहम मंच है।

अलास्का में सजी कूटनीति की भव्य 'महफिल'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारतीय समय अनुसार शुक्रवार आधी रात हुई बहुप्रतीक्षित मुलाकात अमेरिका के अलास्का में हुई। इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की नज़रें टिकी थीं क्योंकि माना जा रहा था कि दोनों नेता यूक्रेन संकट, सुरक्षा मुद्दों, और ऊर्जा नीति पर कोई ठोस सहमति बना सकते हैं। मुलाकात की शुरुआत बेहद गर्मजोशी के माहौल में हुई। रेड कार्पेट पर ट्रंप और पुतिन ने मुस्कुराते हुए हाथ मिलाया और कैमरों के सामने दोस्ताना अंदाज पेश किया। लेकिन कई घंटों की बातचीत के बावजूद दोनों नेता किसी निर्णायक नतीजे पर नहीं पहुंच सके। यूक्रेन युद्ध, नाटो की भूमिका, और वैश्विक स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा तो हुई, लेकिन कोई साझा घोषणा नहीं की गई। अमेरिकी मीडिया ने इसे 'डिप्लोमैटिक फोटो-ऑप' करार दिया, जबकि रूसी विशेषज्ञों का कहना है कि मुलाकात भले ही बेनतीजा रही हो, लेकिन भविष्य में संवाद का रास्ता खोल सकती है। हालांकि राजनीतिक निष्कर्ष न निकलने के बावजूद इस बैठक ने अलास्का को अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया। शंभू नाथ गौतम की रिपोर्ट।

15 अगस्त को जब भारत अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा था उसी दिन अमेरिका के सबसे बड़े राज्य अलास्का में कूटनीति को लेकर दुनिया की सबसे भव्य महफिल सजी। अलास्का के सबसे बड़े एंकरेज शहर में अमेरिका

के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात पर विश्व भर की निगाहें लगी हुई थी। हालांकि दोनों नेताओं की बातचीत बेनतीजा रही। अमेरिका के अलास्का में हुई बहुप्रतीक्षित मुलाकात के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत कुछ अलग अंदाज में किया। ट्रंप ने मुस्कुराते हुए पुतिन से हाथ मिलाते हुए कहा- नमस्ते पड़ोसी। ट्रंप का यह संबोधन सुनकर प्रेस हॉल तालियों से गूंज उठा और पुतिन ने भी हल्की मुस्कान के साथ इसका जवाब दिया। दोनों नेताओं ने मुलाकात के बाद संयुक्त रूप से लगभग 12 मिनट की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान ट्रंप और पुतिन ने वैश्विक चुनौतियों, ऊर्जा सुरक्षा और यूक्रेन संकट जैसे मुद्दों पर बात की। हालाँकि किसी ठोस समझौते की घोषणा नहीं हुई, लेकिन दोनों नेताओं ने यह संकेत दिया कि संवाद की प्रक्रिया जारी रहेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा कि 'हमारी भौगोलिक नज़दीकी हमें संवाद का बेहतर अवसर देती है,' वहीं पुतिन ने भी बातचीत को 'सकारात्मक शुरुआत' बताया।

मुलाकात से बड़े राजनीतिक नतीजे भले ही न निकले हों, लेकिन ट्रंप के 'नमस्ते पड़ोसी' वाले संबोधन ने माहौल को हल्का-फुल्का और दोस्ताना ज़रूर बना दिया। अलास्का इस कूटनीतिक क्षण का गवाह बनकर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में छा गया। अमेरिका के अलास्का में सजी कूटनीति की भव्य महफिल ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब रेड कार्पेट पर कदम रखते हुए गर्मजोशी से एक-दूसरे से मिले, तो माहौल उम्मीदों से भरा हुआ था। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए, मुस्कानें बांटीं और बातचीत की मेज़ पर बैठकर तमाम अहम वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि इस मुलाकात से कोई ठोस निष्कर्ष या समाधान नहीं निकल पाया। यूक्रेन संकट, वैश्विक सुरक्षा, और ऊर्जा नीति जैसे मुद्दों पर लंबी बातचीत के बावजूद, दोनों राष्ट्राध्यक्ष किसी साझा फैसले पर नहीं पहुंच सके। लेकिन इसके बावजूद इस बैठक ने अलास्का को अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में ला खड़ा किया। दुनिया भर के मीडिया चैनल्स और राजनीतिक विश्लेषकों की निगाहें इस मुलाकात पर टिकी थीं। नतीजे चाहे न आए हों, मगर जिस अलास्का को अक्सर बर्फीली वादियों और प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता था, वह अब कूटनीतिक मंच के रूप में पहचाना जाने लगा है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही ट्रंप-पुतिन मुलाकात राजनीतिक स्तर पर 'खाली हाथ' रही हो, लेकिन अलास्का की कूटनीतिक पहचान मज़बूत हुई है। दुनिया भर के लोग अब न सिर्फ इस मुलाकात को याद रखेंगे बल्कि उस जगह को भी, जहां दो महाशक्तियों के नेता आमने-सामने आए थे। एक तरफ यह मुलाकात उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी, तो दूसरी ओर इसने यह साबित कर दिया कि कभी भूगोल के कोनों में छिपा अलास्का, अब विश्व राजनीति के नक्शे पर चमक उठा है।

बर्फीली वादियों से लेकर प्राकृतिक संपदा तक, क्यों है दुनिया में मशहूर अलास्का

अमेरिका का राज्य अलास्का हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के कारण अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में रहा। लेकिन यह राज्य सिर्फ कूटनीति ही नहीं, बल्कि अपनी भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक संसाधनों और अद्भुत खूबसूरती की वजह से भी पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। अलास्का अमेरिका का सबसे बड़ा राज्य है, जो अपनी बर्फ़ीली वादियों, ग्लेशियरों, ज्वालामुखियों और पहाड़ी इलाकों के लिए जाना जाता है। यहां का मौसम बेहद ठंडा रहता है और साल के कई महीने बर्फ़ से ढका रहता है। यही कारण है कि इसे 'द लास्ट फ्रंटियर' भी कहा जाता है। अलास्का की प्रसिद्धि का एक बड़ा कारण इसके तेल और प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार हैं। अमेरिका की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने में अलास्का की अहम भूमिका है। इसके अलावा यहां सोना, मछली और अन्य खनिज संसाधन भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। पर्यटन की दृष्टि से भी अलास्का बेहद आकर्षक है। यहां हर साल लाखों पर्यटक नॉर्दर्न लाइट्स (Aurora Borealis), व्हेल देखने के लिए समुद्री तट, और विशाल नेशनल पार्क्स की सैर करने आते हैं। माउंट मैककिंले (डेनाली) जैसे पर्वत शिखर पर्वतारोहियों और साहसिक यात्रियों को आकर्षित करते हैं। इतिहास की बात करें तो अलास्का कभी रूस का हिस्सा था, जिसे 1867 में अमेरिका ने खरीदा था। यही कारण है कि यहां रूसी प्रभाव भी देखने को मिलता है। कुल मिलाकर, अलास्का सिर्फ अमेरिका का एक राज्य नहीं बल्कि प्राकृतिक सुंदरता, ऊर्जा संसाधनों और सामरिक महत्व का ऐसा केंद्र है जो पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचता है।

अलास्का में ट्रंप-पुतिन मुलाकात के दौरान सुरक्षा का रहा कड़ा पहरा

अमेरिका के अलास्का राज्य में हुई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात जहां कूटनीति के लिहाज से अहम मानी गई, वहीं सुरक्षा के मोर्चे पर इसे एक बड़ी चुनौती माना गया। दोनों महाशक्तियों के राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी के कारण अलास्का को एक किले की तरह बदल दिया गया था। मुलाकात स्थल पर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने पूरी कमान संभाली हुई थी। आसमान से लेकर ज़मीन तक सुरक्षा का अभेद जाल बिछाया गया। हवाई निगरानी के लिए फाइटर जेट्स और ड्रोन तैनात किए गए, जबकि ज़मीनी सुरक्षा में सैकड़ों कमांडो तैनात थे। मुलाकात स्थल के चारों ओर कई किलोमीटर का इलाका नो-फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया। दूसरी ओर, रूस ने भी अपने राष्ट्रपति पुतिन की सुरक्षा में कोई कमी नहीं छोड़ी। रूसी एफएसओ के स्पेशल गार्ड्स पुतिन के साथ मौजूद रहे। उनका काफिला बख्तरबंद गाड़ियों और अत्याधुनिक संचार प्रणालियों से लैस था। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, इस स्तर की सुरक्षा अलास्का में पहले कभी देखने को नहीं मिली थी। आम नागरिकों की आवाजाही पर सख्त नियंत्रण रखा गया, मीडिया को भी सुरक्षा घेरों से गुजरने के बाद ही कवरेज की अनुमति दी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि इस मुलाकात में चाहे कोई ठोस राजनीतिक समझौता न हुआ हो, लेकिन सुरक्षा इंतजामों ने यह दिखा दिया कि जब दो महाशक्तियों के राष्ट्राध्यक्ष एक जगह मौजूद होते हैं, तो पूरी दुनिया की सांसें थम जाती हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर अग्निवीरों ने फहराया डीडीए में तिरंगा

डीडीए की 21वीं वर्ष गांठ पर मर्चेंट नेवी विंग के शुभारंभ के साथ मर्चेंट नेवी की पुस्तक का विमोचन

संदीप सर दून डिफेंस एकेडमी मुख्यालय में अग्निवीर बने डीडीए डायमंड्स व फॉउंडेशन कोर्स प्रथम पग के परिसर त्रिशक्ति में प्रधानाचार्य एसके आर्य ने देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रभक्ति के गीतों की धुनों के बीच तिरंगा फहराया गया। तिरंगा लहराते ही डीडीए समेत समूचा क्षेत्र देशभक्ति के नारों से गुंजा उठा। डीडीए निदेशक संदीप गुप्ता की ओर से डीडीए कमांडेंट कर्नल सुधीर वर्मा (सेनि) ने उदबोधन में कहा कि तिरंगा हमारी स्वतंत्रता, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक है। साथ ही स्वाधीनता के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले अमर सेनानियों का स्मरण भी किया गया। वहीं डीडीए की स्वर्णिम 21वीं वर्ष गांठ पर विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किये गए। प्रथम पग कोर्स-04 सत्र 2026-27 के एडमिशन के प्रारंभ होने की आधिकारिक रूप से घोषणा की गई। मर्चेंट नेवी विंग के शुभारंभ के साथ अमन वर्मा द्वारा तैयार की गई मर्चेंट नेवी की पुस्तक का विमोचन किया गया। डीडीए के चयनित छात्रों का नकद पुरस्कार से नवाजते हुए 14 सितंबर को होने वाले एनडीए व सीडीएस की लिखित परीक्षा की शुभकामनाओं के लिए छात्रों को मैजिक बॉल पेन व करंट अफेयर मैगजीन, के साथ मिष्ठान वितरण किया गया। साथ ही डीडीए की परंपरा के अनुसार अग्निवीर बने डीडीए डायमंड्स सुधांशु, बजरंग ज्यानी, प्रशांत, ओम जांगिद, परीक्षित चौहान, आरव मौ. व अमन पाल को 10-10 हजार रूपये नगद पुरस्कार से नवाजा गया। इस मौके पर फॉउंडेशन कोर्स प्रथम पग इंटर हाउस स्विमिंग कॉम्पिटिशन के विजेता कैडेट्स को मैडल पहना कर सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में श्री महंत इंद्रेश अस्पताल के द्वारा लगाए गए रक्तदान शिविर में छात्रों, स्टाफ व फेकल्टी 60 से ज्यादा यूनिट रक्तदान किया गया तथा डॉ लाल जी पैथलैब द्वारा लगाए गए रक्त जांच शिविर में 50 से ज्यादा ने लाभ उठाया। इस मौके पर डीडीए के कमांडेंट कर्नल सुधीर वर्मा (सेनि), सेंटर हेड उमेश कुनियाल, एकेडमिक हेड उदय मेहरा, एसडीओ महावीर रावत, पीआरओ।

डीडीए निदेशक को पितृ शोक

दून डिफेंस एकेडमी के निदेशक संदीप गुप्ता के पिता श्री एन के गुप्ता का लंबी बीमारी के बाद 12 अगस्त 2025 को स्वर्गवास हो गया। जिसके चलते संदीप गुप्ता स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं हो पाए। उनके पिता बुद्धि, विनम्रता और दृढ़ मूल्यों के धनी, उन्होंने न केवल अपने परिवार को, बल्कि उन सभी को प्रेरित किया जिन्हें उन्हें जानने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद सदैव सभी के लिए शक्ति का स्रोत बना रहेगा।

नरेंद्र भाई मोदी जी का भाषण प्रेरणादायक व ऐतिहासिक: डॉ. नरेश बंसल

भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष व सासंद राज्यसभा डॉ. नरेश बंसल ने। स्वतंत्रता दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएँ दी हैं। 79वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर डॉ. नरेश बंसल ने आज देहरादून स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय व परेड ग्राउंड मे आयोजित कार्यक्रम मे प्रतिभाग किया।

अपने संदेश में डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मैं उन सभी महान सेनानियों व क्रांतिकारीयो के चरणों में कोटि-कोटि वंदन करता हूँ व भावपूर्ण श्रद्धांजली अर्पित करता हुं जिन्होंने अपने पराक्रम और बलिदान से देश को आजादी दिलाई और साथ ही उन सभी वीरों को भी नमन करता हूँ जिन्होंने आज़ादी के बाद देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण किया।

डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि आज हमें बहुत गर्व है कि जिस स्वतंत्र, सबल व समर्थ भारत का स्वप्न हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था उसको प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी चरितार्थ कर रहें हैं। मोदी सरकार ने एक ओर गरीब व वंचित वर्ग को घर, बिजली, स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएँ दी हैं तो वहीं दूसरी ओर भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाया है। डॉ. नरेश बंसल ने आदरणीय प्रधानसेवक नरेंद्र भाई मोदी जी के लाल किले की प्राचीर से दिए गए भाषण को प्रेरणादायक व ऐतिहासिक बताया तथा 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने वाला रोडमैप बताया। डॉ. नरेश बंसल ने कहा की प्रधानमंत्री ने अपने भाषण से प्रत्येक भारतीय को गर्व एवं विश्वास से भर दिया।

डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि आदरण ीय प्रधानसेवक जी ने अपने भाषण मे जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्ष की गौरवमय यात्रा का स्मरण किया वहीं वर्तमान की चुनौतीयो को दखते हुए चिरपरिचित अंदाज मे किसानो, पशुपालकों एवं मच्छवारो आदि के संरक्षण का संकल्प भी व्यक्त किया।

डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने आज आत्मनिर्भर भारत बनाने व विदेशी वस्तुओ पर निर्भरता कम कर स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया है उस पर सब को देशहित मे मिलकर काम करने की आवश्यकता है। डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते भारतीय सेना के अदम्य साहस, गौरव और पराक्रम को नमन किया।

डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने रक्षा क्षेत्र से लेकर सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में हो रही अभूतपूर्व प्रगति का उल्लेख करते हुए आने वाले दस वर्षो मे टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए देश के सामरिक ठिकानो, नागरिक ठिकानो, अस्पताल, रेलवे तथा आस्था के स्थानो को सुरक्षा प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया। वहीं दिपावली तक देश की आम जनता को जीएसटी मे व्यापक सरलीकरण की घोषणा की, युवको को रोजगार व प्रथम नियुक्ती पर 15000 रूपय देने का वादा किया।

डॉ. नरेश बंसल ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि आइये इस स्वतंत्रता दिवस पर हम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत के स्वप्न को पूर्ण करने का संकल्प लें और भारत में निर्मित स्वदेशी चीजों का अधिक से अधिक उपयोग कर देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना सर्वोच्च योगदान दें।

मुख्य सचिव ने फहराया झंडा

मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख सचिव, सचिव, अपर सचिव, सचिवालय प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बच्चों को राष्ट्रीय पर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्य सचिव ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया और कहा कि यह देश उनका ऋणी है। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, साहस और समर्पण को याद करने का अवसर देता है, जिन्होंने हमें आज़ादी का अनमोल उपहार दिया।

जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

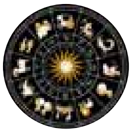

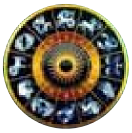

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

मेष राशि- परिवार में किसी शुभ कार्यक्रम की योजना भी बनेगी। फालतू के कामों में खर्चे रहेंगे। अपने बजट को नजरअंदाज न करें, बातचीत करते समय सही शब्दों का इस्तेमाल करें। व्यापार से जुड़ी जो योजनाएं बनाई हैं, वह आपके लिए फायदेमंद रहेंगी और सभी काम अच्छी तरह होते जाएंगे। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। भाग्यशाली रंग- नीला, भाग्यशाली अंक- 8

वृषभ राशि- आज कोई खुशखबरी मिलने से दिन भर खुशी का माहौल बना रहेगा। व्यापारिक काम में बहुत ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। काम का दबाव बना रहेगा, लेकिन साथ ही कोई बड़ी डील होना भी संभव है। घर-परिवार के कामों में सहयोग देना और सबका ध्यान रखना माहौल को सुखद और अच्छा रखेगा। भाग्यशाली रंग- नीला, भाग्यशाली अंक- 6

मिथुन राशि- धार्मिक गतिविधियों में अपना योगदान देने से खुशी मिलेगी। खर्च करते समय बजट का ध्यान रखना जरूरी है। व्यापार क्षेत्र में भी सभी काम अच्छी तरह चलते रहेंगे, जिससे मन में सुकून रहेगा। परिवार में हँसी-मजाक और मनोरंजन में बेहतरीन समय बीतेगा। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ गेट-टुगेदर भी रहेगा। भाग्यशाली रंग- पीला, भाग्यशाली अंक- 5

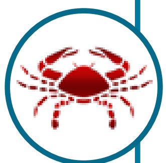

कर्क राशि- यह समय धैर्य और संयम से बिताने का है। पैसों से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला लेने से पहले उस पर अच्छी तरह से विचार जरूर करें। नौकरी करने वाले लोगों को अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। जीवनसाथी या परिवार के लोगों के साथ सुखद समय बीतेगा और आपसी संबंधों में भी नजदीकियां बनी रहेंगी। भाग्यशाली रंग- हरा, भाग्यशाली अंक- 5

सिंह राशि- निजी और सामाजिक कामों में भी व्यस्तता रहेगी। किसी भी खराब हालात में आपको अपने गुस्से और जोश पर काबू रखना है, वरना बात ज्यादा बिगड़ सकती है। पति-पत्नी के बीच मधुर तालमेल रहेगा। अपनी किसी पुरानी स्वास्थ्य से जुड़ी बीमारी का पूरी तरह चेकअप करवाएं, क्योंकि दोबारा होने के आसार लग रहे हैं। भाग्यशाली रंग- लाल, भाग्यशाली अंक- 2

कन्या राशि- पारिवारिक और निजी काम तय समय पर पूरा करने में सफल रहेंगे। कुछ समय अकेले या प्रकृति के साथ बिताने से आपको मानसिक सुकून रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले लोगों को अपना लक्ष्य पूरा करने में बड़े अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों के सामने आने से दिक्कतें आ सकती हैं। भाग्यशाली रंग- आसमानी, भाग्यशाली अंक- 9

तुला राशि- प्रभावशाली लोगों से संपर्क बनेंगे और किसी समस्या का भी हल मिलेगा। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। दूसरों की समस्याओं को सुलझाने में आपके काम अधूरे रह सकते हैं। प्रेम संबंधों में भी नजदीकियां आएंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बिल्कुल न बरतें। भाग्यशाली रंग- केसरिया, भाग्यशाली अंक- 6

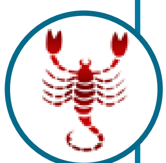

वृश्चिक राशि- किसी प्रेरक व्यक्ति से मुलाकात होगी, ज्ञानवर्धक जानकारियां भी मिलेंगी। दैनिक व रोजमर्रा के काम भी पहले जैसे चलते रहेंगे। आलस की वजह से अपने कामों को टालने की कोशिश न करें। व्यस्थ होने से परिवार पर ध्यान नहीं दे पाएंगे, लेकिन जीवन साथी का परिवार के प्रति समर्पण आपको तनाव मुक्त रखेगा। भाग्यशाली रंग- सफेद, भाग्यशाली अंक- 7

धनु राशि- रिश्तेदारों का आना-जाना रहेगा। सब लोगों का आपस में मिलना-जुलना उत्साह भरा माहौल बनाएगा। युवा लोग जल्दी सफलता पाने की लालसा में गलत गतिविधियों की तरफ आकर्षित न हों। पति-पत्नी का एक दूसरे के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार आपसी नजदीकियां बढ़ाएगा। भाग्यशाली रंग- लाल, भाग्यशाली अंक- 7

मकर राशि- पैसों से जुड़ी योजनाओं को पूरा करने के लिए समय अच्छा है। इस समय बहुत अच्छी पैसों से जुड़ी परिस्थितियां बन रही हैं। साथ ही अपनी किसी नकारात्मक बात को छोड़ने का भी संकल्प करें। स्वभाव में बदलाव आएगा और परिवार के लोगों को भी खुशी मिलेगी। मौसम का असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। भाग्यशाली रंग- लाल, भाग्यशाली अंक- 9

कुंभ राशि- नई योजनाओं को भी लागू करने का सही समय है। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद और प्यार परिवार पर बना रहेगा। धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम भी बनेगा। ऑफिस में चल रही राजनीति से अपने आपको अलग रखें। पति-पत्नी के बीच भी संबंधों में मिठास रहेगी। आयुर्वेदिक चीजों का सही मात्रा में सेवन करें। भाग्यशाली रंग- नीला, भाग्यशाली अंक- 3

मीन राशि- लंबी यात्रा के भी योग बन रहे हैं। युवा लोग दोस्तों के साथ ज्यादा गपशप में समय बेकार न करें। नौकरी करने वाले लोग अपने अधिकारियों के साथ संबंध मधुर बनाकर रखें और अपने लक्ष्य को तय समय पर पूरा करने की कोशिश करें। बहुत ज्यादा व्यस्तता का असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। भाग्यशाली रंग- पीला, भाग्यशाली अंक- 5

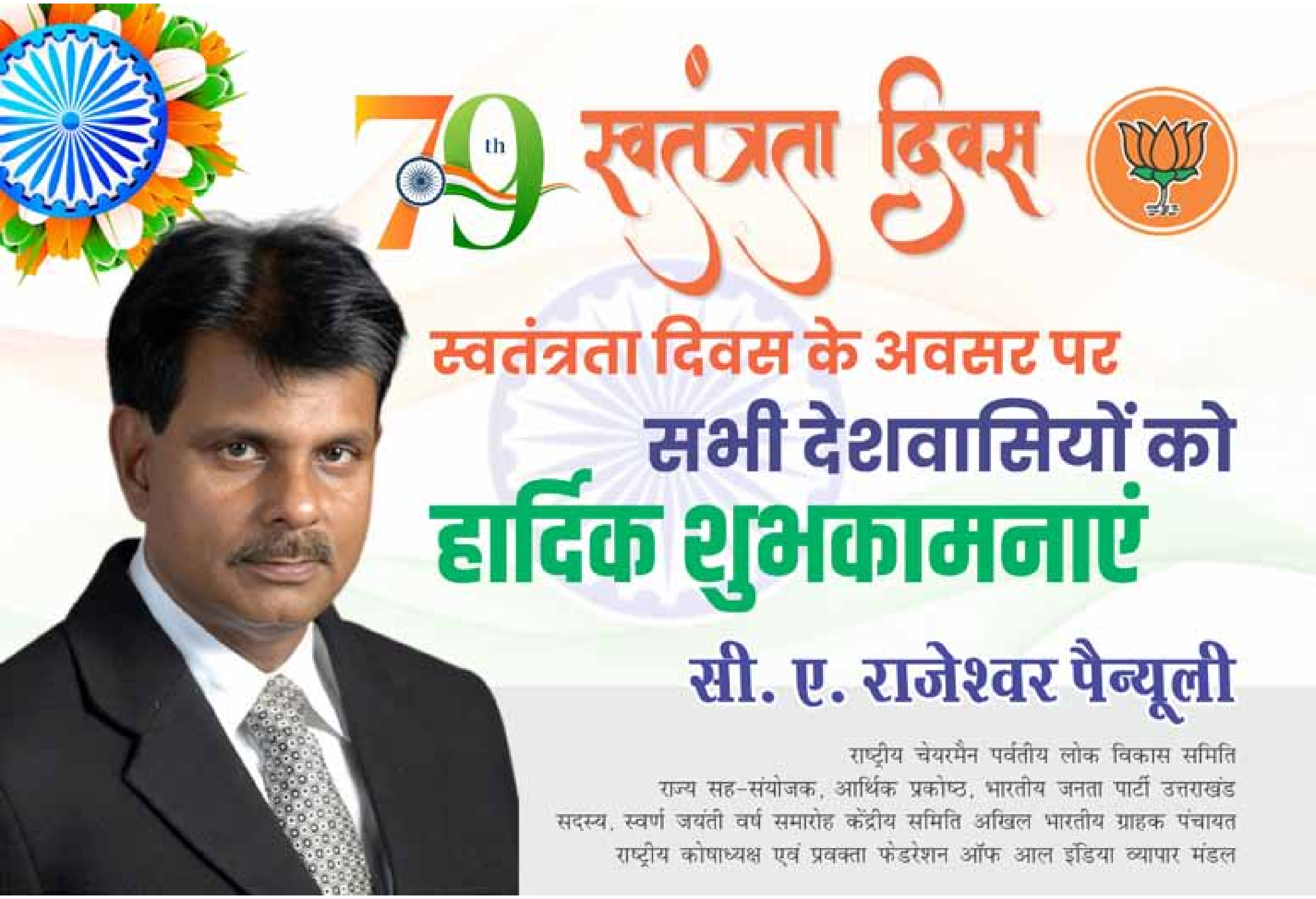

उत्तराखंड के डॉ. अश्वनी कांबोज स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि

एसोसिएशन ऑफ आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तरांचल आयुर्वेदिक कॉलेज, देहरादून के चेयरमैन/डायरेक्टर डॉ. अश्वनी कांबोज को 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किले में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 में एक विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उन्हें यह निमंत्रण भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत योगा सर्टिफिकेशन बोर्ड द्वारा भेजा गया है।

डॉ. कांबोज उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो राज्य के लिए एक सम्मान की बात है। मंत्रालय द्वारा उनके आने-जाने, ठहरने और खाने-पीने की सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। वह 13 अगस्त को दिल्ली पहुंच चुके हैं और 17 अगस्त को उनकी वापसी होगी। इस ऐतिहासिक समारोह में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराने के बाद देश को संबोधित करेंगे।

उत्तराखंड के कई गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए इस उपलब्धि पर बधाई दी है। यह आमंत्रण न केवल डॉ. कांबोज के लिए, बल्कि पूरे उत्तराखंड और आयुर्वेद के क्षेत्र के लिए एक बड़ी पहचान है।

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 | Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027